

अध्याय – 04 | वन्य-समाज और उपनिवेशवाद

QUIZ-02

1. भारत के पहले वन निदेशक कौन थे?

- A. विलियम जॉस B. डायट्रिच ब्रैंडिस
C. निकोलस रुसो
D. हेनरी कॉटन (B)

व्याख्या: जर्मन विशेषज्ञ डायट्रिच ब्रैंडिस भारत के पहले वन निदेशक बने।

2. भारत की 'भारतीय वन सेवा' (Indian Forest Service) की स्थापना कब हुई?

- A. 1850 B. 1853
C. 1860 D. 1864 (D)

व्याख्या: 1864 में भारतीय वन सेवा की स्थापना की गई।

3. 1906 में 'इम्पीरियल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट' की स्थापना कहाँ हुई थी?

- A. कोलकाता B. देहरादून
C. दिल्ली D. मुंबई (B)

व्याख्या: 1906 में देहरादून में 'इम्पीरियल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट' की स्थापना की गई।

4. 1878 के अधिनियम के तहत जंगलों को कितनी श्रेणियों में बाँटा गया था?

- A. दो B. तीन
C. चार D. पाँच (B)

व्याख्या: 1878 के अधिनियम के अनुसार जंगलों को तीन श्रेणियों में बाँटा गया – आरक्षित, संरक्षित और ग्रामीण।

5. सबसे अच्छे जंगल किस श्रेणी में रखे गए थे?

- A. संरक्षित वन B. आरक्षित वन
C. ग्रामीण वन
D. निजी वन (B)

व्याख्या: सबसे अच्छे जंगलों को 'आरक्षित वन' कहा गया।

6. नात्सियों (ब्रिटिश काल) के अनुसार बागान व्यवस्था में किस प्रकार के पेड़ लगाए जाते थे?

- A. मिश्रित किस्म के पेड़ B. केवल फलदार पेड़
C. एक ही किस्म के पेड़
D. केवल औषधीय पौधे (C)

व्याख्या: बागान व्यवस्था में मिश्रित पेड़ों को काटकर एक ही किस्म के पेड़ पंक्तिबद्ध लगाए जाते थे।

7. औपनिवेशिक सरकार के लिए कौन-सी लकड़ी सबसे उपयोगी मानी जाती थी?

- A. शीशम और बबूल B. साल और सागौन
C. पीपल और बरगद D. देवदार और चिर (B)

व्याख्या: जहाजों और रेलवे के डिब्बों के लिए साल और सागौन की लकड़ी उपयुक्त मानी जाती थी।

8. जंगलों में 'माधुका इंडिका' (महुआ) के फूलों का प्रयोग किसके लिए किया जाता था?

- A. कपड़ा बनाने के लिए
B. शराब और तेल बनाने के लिए
C. औजार बनाने के लिए
D. भवन निर्माण के लिए (B)

व्याख्या: महुआ के फूलों से शराब और बीजों से तेल बनाया जाता था।

9. 1875 से 1925 के बीच ब्रिटिश शासन में लगभग कितने बाघ मारे गए?

- A. 8,000 B. 80,000
C. 1,50,000 D. 2,00,000 (B)

व्याख्या: ब्रिटिश शासन के दौरान 1875 से 1925 के बीच लगभग 80,000 बाघ मारे गए।

10. अंग्रेज अधिकारियों ने जंगलों और जानवरों पर नियंत्रण करने के बाद किन समुदायों को 'अपराधी कबीलों' की संज्ञा दी?

- A. शिकारी और चरवाहे समुदायों को
B. किसान समुदाय को
C. मजदूर समुदाय को
D. व्यापारी समुदाय को (A)

व्याख्या: शिकारी और चरवाहे समुदायों को पारंपरिक कार्य से वंचित कर 'अपराधी कबीलों' की संज्ञा दी गई।